वर्कशॉप के समापन दिवस पर डेलिगेट्स को सम्बोधित करतीं डॉ. डी. एस. अजीथा एवं डॉ. नीतू देवी

दिनांक : 09 फरवरी, 2025 को फैकल्टी ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में 'सिमुलेशन एवं ओ.एस.सी.ई. वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य थीमः 'ब्रिजिंग द गैप बिटवीन थ्योरी एंड प्रैक्टिस' रहा।

आज 09 फरवरी 2025 को इस कार्यक्रम का अंतिम दिन रहा जिसको सिमुलेशन और ओ.एस.सी.ई. पर कार्यशाला का समापन के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में सम्माननीय अतिथि डॉ. अन्नापुमा रेड्डी (उप नर्सिंग अधीक्षक, इंटीग्रल अस्पताल, आई.आई.एम.एस.आर, लखनऊ, डॉ. नीतू देवी (नर्सिंग सलाहकार, यूपीएसएमएफ), डॉ. मोनिका रीटा हेंड्रिक्स (स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर, जाइपाइगो) सुश्री एनी निर्मला (प्रोग्राम ऑफिसर, जइपाइगो) डॉ. डी. एस. अजीथा, प्राचार्य, नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, एम.जी.यू.जी.), श्रीमती प्रिंसी जॉर्ज (उप.प्राचार्य, एम.जी.यू. जी.) उपस्थित थे।

कार्यक्रम में आये हुए माननीय अतिथियों को नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा द्वारा दिए गए स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। सम्माननीय अतिथि डॉ. अन्नापुमा रेड्डी (उप नर्सिंग अधीक्षक, इंटीग्रल अस्पताल, आई.आई.एम.एस.आर., लखनऊ) ने क्लीनिकल क्षमता का मूल्यांकनः नर्सिंग अनुसंधान और शिक्षा में ओ.एस.सी.ई. की महत्वपूर्ण भूमिका पर जानकारी दी।

उन्होंने इस संबंध में जानकारी दीया की क्लीनिकल क्षमता स्वास्थ्य पेशेवरों की रोगी देखभाल, नैदानिक निर्णय और व्यावसायिक कौशल की दक्षता को दर्शाती है। ओएससीई एक मानकीकृत परीक्षा पद्धति है, जो छात्रों की व्यावहारिक और नैदानिक दक्षता का निष्पक्ष मूल्यांकन करती है। मिलर के क्लीनिकल क्षमता प्रिज़्म के अनुसार, दक्षता चार स्तरों में विभाजित होती है। ओएससीई को लागू करने के लिए परीक्षा उद्देश्यों की योजना, केस स्केनरीओ और चेकलिस्ट निर्माण, परीक्षकों का प्रशिक्षण और फीडबैक प्रणाली आवश्यक होती है। भारत में इसे लागू करने में संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित परीक्षकों की आवश्यकता और उच्च लागत जैसी चुनौतियाँ हैं। इसके बावजूद, यह एक विश्वसनीय प्रणाली है जो छात्रों की व्यावहारिक तैयारी को बेहतर बनाती है, रोगी सुरक्षा को बढ़ाती है और नर्सिंग शिक्षा में मानकीकृत मूल्यांकन को सक्षम बनाती है। नर्सिंग अनुसंधान में ओएससीई का उपयोग क्लिनिकल कौशल के सत्यापन, पाठ्यक्रम विकास और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करने में किया जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के ज्ञान में सुधार का आकलन करने के लिए उन्हें कुछ प्रश्न दिए। अंत में विभिन्न नर्सिंग कॉलेज से आए सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला के संबंध में अपने अनुभव साझा किए तथा डॉ. डी. एस. अजीथा (प्राचार्य, नर्सिंग और पैरामेडिकल संकाय, एम.जी.यू.जी.) ने धन्यवाद ज्ञापन किया।